प्रसव पीड़ा के चरण

प्रसव पीड़ा का पहला चरण (८-१२ घंटे तक रहता है, जब तक गर्भाशय पूरी तरह नहीं खुल जाता है)

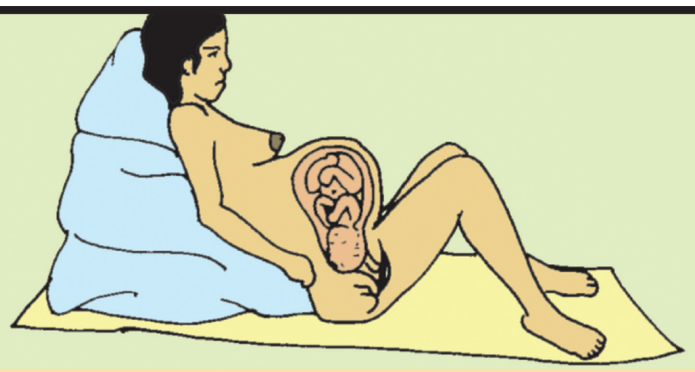

गर्भवती महिला

गर्भाशय का मुंह लगभग बंद और मोटा होता है

गर्भाशय का मुंह अधिक पतला हो जाता है और यह थोड़ा खुल रहा होता है

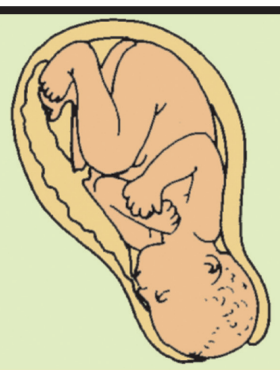

गर्भाशय का मुंह पूरा खुल जाता है तथा पानी की थैली फट जाती है

प्रसव पीड़ा का दूसरा चरण (सिकुडन, शिशु को गर्भाशय से बाहर की ओर धकेलता है)

शिशु जन्म नली तक नीचे आता है, जब तक कि
शिशु का सिर न दिखाई दे

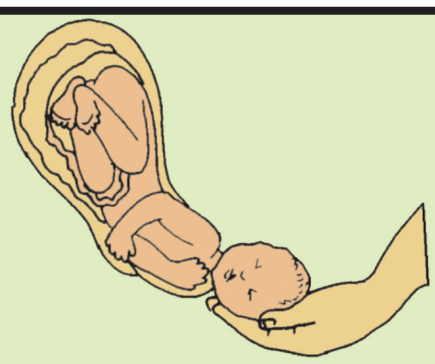

सिर पहले बाहर आता है

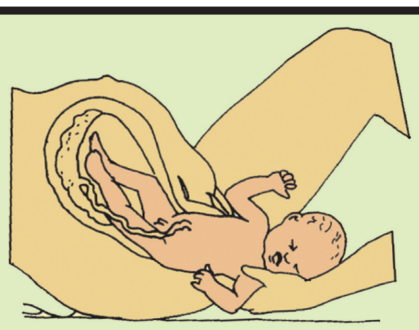

सिर के बाहर आने के बाद कंधे बाहर आते हैं

शिशु का शेष शरीर फिर बाहर आता है

प्रसव पीड़ा का तीसरा चरण (गर्भनाल या आंवल का बाहर आना)

सिकुड़न के कारण गर्भनाल या आंवल गर्भाशय से अलग होता है और
सिकुड़न के द्वारा ही इसे बाहर धकेला जाता है